के दौरान पूछे जाने वाले प्रश्नों के प्रत्येक पहलू पर विशेष ध्यान देंगे।

सर्वाधिक अंक प्राप्त कर सफलता अर्जित की है।

स्वच्छता के लिए मनोवैज्ञानिक ढंग से करेंगे जागरूक

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा

मनोविज्ञान विभाग में हुआ सेमिनार

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

रायपुर ● घर, गांव-शहर हो या सार्वजनिक स्थान पर स्वच्छता के लिए लोगों को मनोवैज्ञानिक ढंग से जागरूक करने का संकल्प पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने लिया है। शुक्रवार को स्वच्छता पखवाड़ा का समापन हुआ। इस दौरान विभाग में सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में 'स्वच्छता और उसकी जिम्मेदारी' विषय पर व्याख्यान हुआ। इसमें मनोविज्ञान के शिक्षकों के अलावा स्कॉलर और अन्य स्टूडेंट ने हिस्सा लिया। इस मौके पर मनोविज्ञापन विभाग की एचओडी प्रो. डॉ. प्रियवंदा श्रीवास्तव, प्रो. डॉ. प्रोमिला सिंह, प्रो. डॉ. बशीर हसन, प्रो. डॉ. प्रभावती शुक्ला, प्रो. डॉ. मीता झा व अन्य शिक्षक उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि 5 नवंबर से 11 नवंबर तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया। इस दौरान रोज विविध कार्यक्रमों के माध्यम से स्वच्छता के प्रति स्टूडेंट्स और विभाग के कर्मचारियों को जागरूक किया गया और स्वच्छता अभियान को सफल बनाने का प्रयास किया।

मनोवैज्ञानिक ढंग से सोचना जरूरी

सेमिनार में अभिषेक महोबिया, मोहिंदर धृतलहरे, डॉ. दीपक पांडे, यंजना साहू, महेंद्र साहू सहित अन्य स्टूडेंट्स ने अपने विचार रखते हुए लोगों को स्वच्छता के प्रति मनोवैज्ञानिक ढंग से जागरूक करने पर जोर दिया। निजी हो या सार्वजनिक स्थानों पर साफ-सफाई का ध्यान रखने की भावना का विकास होना चाहिए। इसके बाद ही अभियान सफल होगा। सेमिनार में बड़ी संख्या में मनोविज्ञान के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

घर ही नहीं हर जगह सफाई सबकी जिम्मेदारी

एचओडी डॉ. श्रीवास्तव ने स्वच्छता को सब की जिम्मेदारी माना है। हम सभी को अपने घर के आस पास ही नहीं बल्कि हर जगह स्वच्छता की ओर ध्यान देना चाहिए। सार्वजनिक स्थानों पर सबसे ज्यादा गंदगी रहती है, इस गंदगी को फैलाने वाले हम आप ही हैं। गंदगी फैलाने की जगह उसका उचित निराकरण करना चाहिए। स्वच्छता को वैज्ञानिक पद्धति से खुद और दूसरों को जानकारी देनी चाहिए।